कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (83) खण्ड - {165}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- तकदीर में नहीं है तो -

A- संशय उठता है

B- बुद्धि में ज्ञान ठहरेगा नहीं

C- बाबा भी क्या करेंगें

D- पोतामेल नहीं लिखते

प्रश्न 2- तमोप्रधान बनने में कितना समय लगता है ?

A- 2500 वर्ष

B- आधाकल्प

C- सारा ही कल्प

D- 1250 वर्ष

प्रश्न 3- पास विद ऑनर होंगे ?

A- 9

B- 8

C- 108

D- 16108

प्रश्न 4- अपने ऊपर आपे ही रहम करो अर्थात्-

A- रहम दिल बन सब के लिए रहम की दृष्टि रखो।

B- अपने को आत्मा समझ और अपने पतित पावन बाप को याद करो

C- सतोप्रधान बनो

D- उल्टा काम नहीं करो

प्रश्न 5- भारत को किसने हप किया है -

A- अंग्रेजों ने

B- मुसलमानों ने

C- क्रिश्चियन ने

D- यूरोपियन ने

प्रश्न 6- व्यर्थ से बचने के लिए -

A- कन्ट्रोलिंग पावर बढ़ाओ

B- समाने की शक्ति धारण करो

C- शीतलता की शक्ति धारण करो

D- धैर्य का गुण हो

प्रश्न 7- कम पढ़ने वाले को कहा जाता है कि यह -

A- संशयबुद्धि है

B- पत्थरबुद्धि हैं

C- लंगड़ाते हैं

D- कच्चे है

प्रश्न 8- तकदीर खुलने का आधार क्या है ?

A- निरंतर याद

B- निश्चय

C- पवित्रता

D- दैवीगुण धारण करने हैं

प्रश्न 9- बच्चों को अभी कौन सा पूरा प्रयत्न करना है -

A- पावन बनने का

B- याद में रहने का

C- बाप समान बनने का

D- सिर से विकर्मों का बोझा उतारने का

प्रश्न 10- भक्त सबसे ज्यादा भीख मांगते हैं-

A- श्री कृष्ण से

B- शिव बाबा से

C- जगत अम्बा से

D- लक्ष्मी से

प्रश्न 11- आप का श्रेष्ठ कर्त्तव्य है,दुख को परिवर्तन कर देना ?

A- आत्मिक सुख में

B- अतीन्द्रिय सुख में

C- अविनाशी सुख में

D- रूहानी सुख में

प्रश्न 12- धर्म स्थापना के आधार पर अलग पर्याय का चुनाव कीजिए।

A- शिवबाबा

B- क्राइस्ट

C- ब्रह्मा

D- बुद्ध

प्रश्न 13- भोजन सदैव कैसा होना चाहिए, ऐसे नहीं कि अच्छा भोजन है तो बहुत खाना चाहिए ?

A- याद में

B- सात्विक

C- सादा

D- एकरस

प्रश्न 14 - शत्रु है -

A- क्रोध

B- काम

C- देह-अभिमान

D- लोभ

प्रश्न 15- अच्छी रीति सर्विस नहीं करेंगे तो जन्म जन्मांतर -

A- का घाटा पड़ जाएगा

B- ऊंच पद पा नहीं सकेंगे

C- दास दासी बनेंगे

D- फेल होते रहेंगे

प्रश्न 16- हम जो कुछ अच्छा बुरा करते हैं परमात्मा सब जानते हैं ये है-

A- भक्ति मार्ग

B- अंध श्रद्धा

C- शास्त्रों की मत

D- तुच्छ बुद्धि

भाग (83) खण्ड {165} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.संशय उठता है*

तकदीर में नहीं है तो संशय उठता है - शिवबाबा कैसे आकर पढ़ायेंगे! मैं नहीं मानता। मानते नहीं तो फिर शिवबाबा को याद भी कैसे करेंगे। विकर्म विनाश हो नहीं सकेंगे। यह सारी नम्बरवार राजधानी स्थापन हो रही है। दास-दासियाँ भी तो चाहिए ना।

उत्तर 2- *B.आधाकल्प*

कल्प की आयु लाखों वर्ष कह देने से भूल गये हैं। बाप कहते हैं तुम हेविन के मालिक थे। अब फिर चक्र

लगाए हेल के मालिक बने हो। अभी फिर बाप तुमको हेविन का मालिक बनाते हैं। कहते हैं मीठी आत्मायें, बच्चों बाप को याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। *तमोप्रधान बनने में आधाकल्प लगा है।*

उत्तर 3- *B. 8*

ब्रह्मा और सरस्वती सहित केवल आठ आत्माएँ हैं जिन्हें सृष्टि के अंत में पूर्णता प्राप्त करने और "पास विद ऑनर" होती है। *विजयी रत्न: ये आठ आत्माएँ "अष्ट रत्न" कहलाती हैं* और विजयी रत्नों की माला 108 की सर्वश्रेष्ठ मानी जाती हैं।बिना सजा के पास होती हैं

उत्तर 4- *B.अपने को आत्मा समझ और अपने पतित पावन बाप को याद करो*

बाप तो श्रीमत देते हैं ऐसे-ऐसे करो। *अपने ऊपर आपेही रहम करो। अपने को आत्मा समझ और अपने पतित-पावन बाप को याद करो तो तुम पावन बन जायेंगे।

* बाप राय देते हैं, तुम पावन कैसे बनेंगे। बाप ही पतित को पावन बनाने वाला है। वह श्रीमत देते हैं। अगर उनकी मत पर नहीं चलते हैं तो अपने ऊपर बेरहम होते हैं।

उत्तर 5- *C.क्रिश्चियन ने*

श्रीकृष्ण और क्रिश्चियन राशि एक ही है। *क्रिश्चियन ने ही भारत को हप किया है।* अब फिर ड्रामा अनुसार वह आपस में लड़ते हैं, मक्खन तुम बच्चों को मिल जाता है। ऐसे नहीं कि श्रीकृष्ण के मुख में माखन था। यह तो शास्त्रों में लिख दिया है। सारी दुनिया श्रीकृष्ण के हाथ में आती है।

उत्तर 6- *C.शीतलता की शक्ति धारण कर लो*

समय प्रमाण शीतलता की शक्ति द्वारा हर परिस्थिति में अपने संकल्पों की गति को, बोल को शीतल और धैर्यवत बनाओ। यदि संकल्प की स्पीड फास्ट होगी तो बहुत समय व्यर्थ जायेगा, कन्ट्रोल नहीं कर सकेंगे

इसलिए *शीतलता की शक्ति धारण कर लो तो व्यर्थ से बच जायेंगे।*

उत्तर 7- *C.लंगड़ाते हैं*

तकदीर देरी से खुलने की है तो फिर लंगड़ाते रहते हैं। *कम पढ़ने वाले को कहा जाता है - यह लंगड़ाते हैं।* संशय बुद्धि पीछे रह जायेंगे। निश्चय बुद्धि अच्छी रीति पढ़ने वाले आगे गैलप करते रहेंगे। कितना सिम्पुल समझाया जाता है। जैसे बच्चे दौड़ी लगाकर निशान तक जाकर फिर लौट आते हैं। बाप भी कहते हैं बुद्धि को जल्दी शिवबाबा पास दौड़ायेंगे तो सतोप्रधान बन जायेंगे।

उत्तर 8- *B.निश्चय*

तकदीर खुलने का आधार है निश्चय, निश्चय बुद्धि अच्छी रीति पढ़कर गैलप करते रहेंगे। कोई भी बात में संशय है तो पीछे रह जायेंगे। जो निश्चय बुद्धि बन अपनी

बुद्धि को बाप तक दौड़ाते रहते हैं वह सतोप्रधान बन जाते हैं।

उत्तर 9- *D.सिर से विकर्मों का बोझा उतारने का*

अभी तुम बच्चों को सिर पर जो विकर्मों का बोझा है उसे उतारने का पूरा-पूरा प्रयत्न करना है। बाप का बनकर कोई विकर्म किया तो बहुत ज़ोर से गिर पड़ेंगे। बी.के. की अगर निंदा कराई, कोई तकलीफ दी तो बहुत पाप हो जायेगा। फिर ज्ञान सुनने-सुनाने से कोई फायदा नहीं।

उत्तर 10- *C.जगत अम्बा से*

सबसे जास्ती भीख जगत अम्बा से मांगते हैं। तुम जगत अम्बा हो ना। तुम विश्व की बादशाही की भीख देती हो। गरीबों को भीख मिलती है ना। हम भी गरीब हैं तो शिवबाबा स्वर्ग की बादशाही भीख में देते हैं। भीख

कुछ और नहीं, सिर्फ कहते हैं बाप को याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। शान्तिधाम में चले जायेंगे।

उत्तर 11- *D.रुहानी सुख में*

स्लोगन:- *मास्टर दु:ख हर्ता बन दुख को भी रूहानी सुख में परिवर्तन करना - यही आपका श्रेष्ठ कर्तव्य है।*

उत्तर 12- *C.ब्रह्मा*

भल देवी-देवता धर्म की स्थापना तो शिवबाबा करते हैं फिर भी नाम तो है ना - ब्रह्मा-विष्णु-शंकर. . . .। *त्रिमूर्ति ब्रह्मा कह देते। बाप कहते हैं यह भी गुरू नहीं।* गुरू तो एक ही है, उनके द्वारा तुम रूहानी गुरू बनते हो। बाकी वह है धर्म स्थापक। धर्म स्थापक को सद्गति दाता कैसे कह सकते, यह बड़ी डीप बातें हैं समझने की। अन्य धर्म स्थापक तो सिर्फ धर्म स्थापन करते हैं, जिसके पिछाड़ी सब आ जाते हैं।

उत्तर 13- *D.एकरस*

कहा जाता है खुशी जैसी खुराक नहीं। ऐसी खुशी में सदैव रहो तो खान-पान भी बहुत थोड़ा हो जाए। बहुत खाने से भारी हो जाते हैं फिर झुटका आदि खाते हैं। फिर कहते बाबा नींद आती है। *भोजन सदैव एकरस होना चाहिए,* ऐसे नहीं कि अच्छा भोजन है तो बहुत खाना चाहिऐ।

उत्तर 14- *A.क्रोध*

बहुतों में अभी तक आसुरी अवगुण हैं, लड़ना-झगड़ना, रूठना, सेन्टर पर धमचक्र मचाना..... बाबा जानते हैं बहुत रिपोर्टस आती हैं। *काम महाशत्रु है तो क्रोध भी कोई कम शत्रु नहीं है।* फलाने के ऊपर प्यार, मेरे ऊपर क्यों नहीं! फलानी बात इनसे पूछी, मेरे से क्यों नहीं पूछा! ऐसे-ऐसे बोलने वाले संशय बुद्धि बहुत हैं।

उत्तर 15- *C.दास दासी बनेंगे*

तुम बच्चों को सतयुग में गर्भ जेल में नहीं आना है। वहाँ तो गर्भ महल है। कोई पाप आदि करते नहीं। तो ऐसा राज्य-भाग्य पाने के लिए बच्चों को बहुत खबरदार होना है। कई बच्चे ब्राह्मणी (टीचर) से भी तीखे हो जाते हैं। तकदीर ब्राह्मणी से भी ऊंची हो जाती है। यह भी बाप ने समझाया है - *अच्छी सर्विस नहीं करेंगे तो जन्म-जन्मान्तर दास-दासियाँ बनेंगे।*

उत्तर 16- *B.अंध श्रद्धा*

कोई-कोई की बुद्धि में रहता है कि परमात्मा तो सब कुछ जानते हैं। हम जो कुछ अच्छा वा बुरा करते हैं वह सब जानते हैं। *अब इसको अन्धश्रद्धा का भाव कहा जाता है।* भगवान इन बातों को जानते ही नहीं। तुम बच्चे जानते हो भगवान तो है पतितों को पावन बनाने वाला।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (83) खण्ड - {166}

प्रश्न 1- योग का जौहर कब भर सकेगा -

A- बाबा की याद से

B- निश्चय से

C- आत्मिक स्थिति के अभ्यास से

D- प्यूरिटी से

प्रश्न 2- अच्छी रीति समझ कर समझा सकते हैं जो -

A- योग युक्त हैं

B- अच्छी तरह विचार सागर मंथन करते हैं

C- महीन बुद्धि हैं

D- सदा सेवा में तत्पर हैं

प्रश्न 3- अभी तुम ब्राह्मण बने हो। तो आपस में -

A- भाई भाई हो

B- भाई बहन हो

C- पाण्डव और शिवशक्ति हो

D- A और C

प्रश्न 4- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- ग्रेट ग्रैन्ड फादर

B- एडम

C- आदि देव

D- परदादा

प्रश्न 5- त्रिलोकी नाथ हैं -

A- शिव बाबा

B- श्री कृष्ण

C- तुम ब्राह्मण बच्चे

D- कोई नहीं

प्रश्न 6- कौन सी बातें कोई शास्त्रों में नहीं हैं ?

A- बाप आते हैं सबको ले जाने फिर चक्र फिरता।

B- भगवान ने राजयोग सिखाया।

C- बाप दैवी राज्य की स्थापना करते ही हैं ब्रह्मा द्वारा।

D- A और C

E- A, B और C

प्रश्न 7- इस समय ड्रामा में टोटल कौन सी सीन है ?

A- सब का अपना-अपना पार्ट

B- दुख की

C- अल्पकाल का सुख

D- एक दिन न मिले दूसरे से

प्रश्न 8- संवत कब शुरू होता है ? तुम लिखते भी हो वन से 1250 वर्ष तक स्वर्ग, कितना क्लीयर है।

A- राधाकृष्ण का स्वयंवर होता है तब से

B- श्रीकृष्ण के जन्म से

C- श्रीकृष्ण की आत्मा गर्भ में आती है तब से

D- लक्ष्मी-नारायण जब तख्त पर बैठते हैं तब

प्रश्न 9- स्वर्ग था -

A- भारत में

B- हिन्दुस्तान में

C- आर्यावर्त में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- "निश्चयबुद्धि विजयन्ती"। अर्थात वही किस पर विजय पायेंगे ?

A- रावण पर

B- बाप के वर्से की

C- सृष्टि पर

D- स्वयं पर

प्रश्न11- कर्म योगी वही बन सकता है ?

A- जो हर कर्म याद में करते हो।

B- जो सर्व संबंध एक बाप से रखते।

C- जो सदा बुद्धि पर अटेन्शन का पहरा देता हो।

D- जो याद और सेवा का बैलेंस रखता हो।

प्रश्न 12- पापों का दण्ड मनुष्य कैसे भोगते हैं ?

A- खुद ही

B- कलियुग में

C- सिर्फ गर्भजेल में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- बहुत धनवान सुखी रहते हैं ?

A- सतयुग में

B- त्रेतायुग युग में

C- द्वापर युग मे

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- भारत को ही मदर कन्ट्री कहा जाता है, क्योंकि -

A- यहाँ ही शिवबाबा मात-पिता के रूप में पार्ट बजाते हैं।

B- यहाँ ही भगवान को मात-पिता के रूप में याद करते हैं।

C- यहाँ स्वर्ग बनता है।

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 15- अपने को राजतिलक कैसे देना है-

A- अच्छी रीति पढ़कर

B- पुरुषार्थ कर

C- याद से

D- सपूत बच्चे बन

प्रश्न 16- पुरुषार्थ में स्वयं हाई जम्प लग जाएगा ?

A- हर संकल्प श्रेष्ठ हो तो

B- सदा बेहद की दृष्टि हो तो

C- करन करावनहार की स्मृति हो तो

D- सर्व को संतुष्ट करो तो

भाग (83) खण्ड {166} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.प्यूरिटी से*

तुम्हारी पढ़ाई का फाउन्डेशन है प्योरिटी, *प्योरिटी है तब योग का जौहर भर सकेगा,* योग का जौहर है तो वाणी में शक्ति होगी नहीं तो भल किसको कितना भी समझायेंगे, किसको बुद्धि में जँचेगा नहीं, तीर लगेगा नहीं। जन्म-जन्मान्तर के पाप हैं ना।

उत्तर 2- *C.महीन बुद्धि हैं*

सतयुग त्रेता में जो पार्ट कल्प पहले बजाया है वही बजायेंगे। मोटी बुद्धि यह भी नहीं समझते हैं। *जो महीन बुद्धि हैं वही अच्छी रीति समझ कर समझा सकते हैं।* उन्हें अन्दर भासना आती है कि यह अनादि नाटक बना हुआ है। दुनिया में कोई नहीं समझते यह बेहद का नाटक है। इनको समझने में भी टाइम लगता है।

उत्तर 3- B.भाई बहन हो

यहाँ तो तुम जानते हो हम एक ही ग्रैन्ड फादर और फादर के बच्चे हैं। शिवबाबा के पोत्रे, ब्रह्मा के बच्चे हैं। आजकल तो सब गन्दे बन पड़ते हैं क्योंकि दुनिया ही डर्टी है। तुम बच्चे अभी समझते हो हम ब्रह्माकुमार-कुमारियां हैं। *अभी तुम ब्राह्मण बने हो तो आपस में बहन-भाई हो। *

उत्तर 4- *D.परदादा*

इनको तुम बाबा कहते हो फिर ग्रैन्ड फादर भी होगा। *ग्रेट ग्रैन्ड फादर भी होगा। बिरादरियां हैं ना। एडम, आदि देव नाम है* परन्तु मनुष्य समझते नहीं हैं। तुम बच्चों को बाप बैठ समझाते हैं। बाप द्वारा सृष्टि चक्र की हिस्ट्री-जॉग्राफी को तुम जानकर चक्रवर्ती राजा बन रहे हो।

उत्तर 5- *D.कोई नहीं*

श्रीकृष्ण को त्रिलोकीनाथ कहा जा सकता है? गाया जाता है ना - त्रिलोकीनाथ। अब त्रिलोकी के नाथ अर्थात् तीन लोक मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन। तुम बच्चों को समझाया जाता है तुम ब्रह्माण्ड के भी मालिक हो। श्रीकृष्ण ऐसे समझते होंगे कि हम ब्रह्माण्ड के मालिक हैं? नहीं। वह तो वैकुण्ठ में थे। वैकुण्ठ कहा जाता है स्वर्ग नई दुनिया को। *तो वास्तव में त्रिलोकीनाथ कोई भी है नहीं। *

उत्तर 6- *D. A और C*

*बाप दैवी राज्य की स्थापना करते ही हैं ब्रह्मा द्वारा। * यह तो क्लीयर है। बाप न आये तो सृष्टि का चक्र ही न फिरे। दु:खधाम से सुखधाम कैसे बनें? सृष्टि का चक्र तो फिरना ही है। बाप को भी जरूर आना ही है। *बाप आते हैं सबको ले जाने फिर चक्र फिरता है। बाप न आये तो कलियुग से सतयुग कैसे बनें? बाकी यह बातें कोई शास्त्रों में नहीं हैं।* राजयोग है ही गीता में।

उत्तर 7- *B.दु:ख की*

इस समय ड्रामा में टोटल दु:ख की सीन है। अगर किसी को सुख है भी तो अल्पकाल काग विष्टा समान। बाकी दु:ख ही दु:ख है। तुम बच्चे अभी रोशनी में आये हो। जानते हो सेकण्ड बाई सेकण्ड बेहद सृष्टि का चक्र फिरता रहता है, एक दिन न मिले दूसरे से।

उत्तर 8- *D.लक्ष्मी-नारायण जब तख्त पर बैठते हैं तब*

फिर सतयुग से रिपीट होगा। *लक्ष्मी-नारायण जब तख्त पर बैठते हैं तब संवत शुरू होता है।* तुम लिखते भी हो वन से 1250 वर्ष तक स्वर्ग, कितना क्लीयर है। कहानी है सत्य नारायण की। कथा अमरनाथ की है ना। तुम अभी सच्ची-सच्ची अमरनाथ की कथा सुनते हो उसका फिर गायन चलता है।

उत्तर 9- *A.भारत में*

जब तुम स्वर्ग में रहते हो तो इनका नाम ही भारत रहता है फिर जब तुम नर्क में आते हो तब हिन्दुस्तान नाम पड़ता है। यहाँ कितना दु:ख ही दु:ख है। फिर यह सृष्टि बदलती है फिर स्वर्ग में है ही सुखधाम। यह नॉलेज तुम बच्चों को है। दुनिया में मनुष्य कुछ भी नहीं जानते।

उत्तर 10- *B.बाप के वर्से की*

एक - बाप स्व-धर्म में टिके हुए हैं, दूसरा - बच्चों को भी कहते हैं अपने स्वधर्म में टिको और बाप को याद करो। और कोई ऐसे कह न सके कि स्वधर्म में टिको। तुम बच्चों की बुद्धि में निश्चय है। *निश्चयबुद्धि विजयन्ती। वही विजय पायेंगे। काहे की विजय पायेंगे? बाप के वर्से की। *

उत्तर 11- *C.जो बुद्धि पर अटेन्शन का पहरा देता हो*

स्लोगन:- *कर्मयोगी वही बन सकता है जो बुद्धि पर अटेन्शन का पहरा देता है।*

उत्तर 12- *A.खुद ही*

बाबा कोई क्षमा या माफ नहीं करते। ड्रामा में क्षमा अक्षर ही नहीं है। तुमको अपनी मेहनत करनी है। *पापों का दण्ड मनुष्य खुद ही भोगते हैं।* क्षमा की बात ही नहीं। बाप कहते हैं हर बात में मेहनत करो। बाप बैठ युक्ति बताते हैं।

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

वैसे आगे तो 21 जन्म के लिए लिखते थे। *अभी बाबा लिखते हैं 50-60 जन्म क्योंकि द्वापर में भी पहले तो बहुत धनवान सुखी रहते हो ना। भल पतित बनते हो तो भी धन बहुत रहता है।* यह तो बिल्कुल जब तमोप्रधान बनते हैं तब दु:ख शुरू होता है। पहले तो सुखी रहते हो। जब बहुत दु:खी होते हो तब बाप आते हैं।

उत्तर 14- *D. A और B*

भारत में ही तुम मात-पिता कह बुलाते हैं। बाप ही यहाँ आकर मुख वंशावली रचते हैं। *भारत को ही मदर कन्ट्री कहा जाता है क्योंकि यहाँ ही शिवबाबा मात-पिता के रूप में पार्ट बजाते हैं। यहाँ ही भगवान को मात-पिता के रूप में याद करते हैं।* विदेशों में सिर्फ गॉड फादर कह बुलाते हैं, परन्तु माता भी चाहिए ना जिससे बच्चों को एडाप्ट करे।

उत्तर 15- *A.अच्छी रीति पढ़कर*

मीठे बच्चे - *सदा एक ही फिक्र में रहो कि हमें अच्छी रीति पढ़कर अपने को राजतिलक देना है,* पढ़ाई से ही राजाई मिलती है। अभी तुम बच्चे समझते हो तो बच्चों को यह ओना रहना चाहिए - हमको पढ़कर अपने को राजा बनाना है। जो अच्छी रीति पुरुषार्थ करेंगे वही राजतिलक पायेंगे।

उत्तर 16- *D.सर्व को संतुष्ट करो तो*

स्लोगन:- *सर्व को सन्तुष्ट करो तो पुरुषार्थ में स्वत:हाई जम्प लग जायेगा।*